भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
31.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1417 का उत्तर

कलबुर्गी में उपरिपुल

1417. श्री राधाकृष्ण:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कलबुर्गी में निर्माणाधीन रेल उपरिपुलों का ब्यौरा क्या है और इनके निर्माण कार्य को पूरा करने की संभावित समय-सीमा क्या है;
(ख) कलबुर्गी के चित्तपुर तालुक में वाडी-रावूर सड़क पर मौजूदा समपार फाटक संख्या 19 के स्थान पर एसएच 149 पर उपरिपुल के निर्माण की स्थिति क्या है;
(ग) क्या उपरिपुल का निर्माण निर्धारित समय पर पूरा होने की संभावना है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल पर समपारों के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुलों (आरयूबी) की कार्यों के स्वीकृति प्रदान करना सतत और गतिशील प्रक्रिया है। इस प्रकार के कार्यों को रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा पर इसके प्रभाव, गाड़ियों की आवाजाही और सड़क उपयोगकर्ताओं हेतु प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर शुरू किया जाता है।

समपार सं. 91 (समपार सं. 19 से राज्य राजमार्ग सं. 149 नहीं गुजरता है) पर राज्य राजमार्ग (एसएच) 149 पर ऊपरी सड़क पुल सहित कलबुर्गी जिले में समपार के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल के 05 अदद कार्य स्वीकृत किए गए हैं। समपार सं. 91 पर ऊपरी सड़क पुल के निर्माण कार्य हेतु सामान्य आरेखण व्यवस्था (जीएडी) के कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल (आरयूबी)/ऊपरी पैदल पुल (एफओबी) संबंधी कार्यों को पूरा करना और उन्हें चालू करना रेलफाटक को समाप्त करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच मार्ग संरेखण निर्धारित करना, सामान्य व्यवस्था आरेखण (जीएडी) का अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु संबंधी परिस्थितियों आदि के कारण विशिष्ट परियोजना/क्षेत्र के लिए वर्ष में कार्य करने की अवधि आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

****